Name of the college - APSM College, Barauni, Begusarai
Name — Dr. Bharti Kumari (G.T)
Deptt. — AIH&C
Lesson | Plan — B.A, AIH&C (H), Part-I, Paper-I
Date - 12-04-2021
Name of the topic Mohammed Ghori

मुहम्मद गोरी :-

अफगानिस्तान में गजनी वंश के पतन के बाद 'गोरी कबीले' ने शक्ति प्राप्त करना शुरू कर दिया। गोर में जो वंश था उसे शंसबानी वंश कहा गया। मुहम्मद गोरी इस कबीले का शासक था। महमूद गजनवी के विपरीत, मुहम्मद गोरी के भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत में मुस्लिम राज्य की स्थापना करना था। मुहम्मद गोरी ने भारत पर प्रथम आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान पर किया।

1178 ई. के गुजरात आक्रमण के समय वहाँ के शासक भीम द्वितीय (मूलराज) ने गोरी को बन्दी बना लिया, लेकिन बाद में छोड़ दिया था। गोरी की भारत में प्रथम पराजय थी। इस समय के दौरान दिल्ली पर चौहान वंश के पृथ्वीराज चौहान तृतीय का शासन था। मुहम्मद गोरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच 2 लड़ाइयाँ

(1) तराईन का प्रथम युद्ध (1191 ई.) जिसमें गोरी की दूसरी पराजय।
(2) तराईन का द्वितीय युद्ध (1192 ई.) जिसमें पृथ्वीराज

P.T.O.

Scanned with CamScanner

की पराजय हुई।

तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद मुहम्मद गोरी ने दिल्ली और अजमेर पर नियंत्रण कर भारत में मुस्लिम साम्राज्य की नींव डाल दी। गोरी को ही भारत में मुस्लिम साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। कन्नौज विजय के पश्चात् मुहम्मद गोरी के सिक्कों पर देवी-लक्ष्मी की आकृति बनी है, और दूसरी ओर कलमा (अरबी) खुदा हुआ था। मुहम्मद गोरी ने 56 ग्रेन का दिल्ली कला नामक सिक्का चलवाया था। 1194 ई. में चंदावर के युद्ध में मुहम्मद गोरी ने कन्नौज के राजा जयचन्द को हराया। मुहम्मद गोरी के सेनापति बख्तियार खिलजी ने पूर्वी भारत को विजित किया और नालंदा व विक्रमशिला विश्वविद्यालयों को नष्ट कर दिया। 1206 ई. में गोरी, कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत का नेतृत्व सौंपकर, वापस अपने गृह-प्रान्त की ओर जाते समय दमयक नामक स्थल पर 15 मार्च 1206 ई. को उसकी हत्या कर दी गई।

भारती कुमारी
A.I.H.&C
12-04-2021

Scanned with CamScanner